Seventeenth Loksabha

an>

14.08 hrs

Title: Re. Withdrawal of Suspension of Members from the Sittings of the Lok Sabha.

-

माननीय सभापति: श्रीमती सुप्रिया सदानंद सुले जी ।

… (व्यवधान)

SHRIMATI SUPRIYA SADANAND SULE (BARAMATI): Madam, we are willing to cooperate. ....*(Interruptions)* कल भी हमने कहा… (व्यवधान)

माननीय सभापति: प्लीज आप लोग बैठ जाइए ।

… (व्यवधान)

श्रीमती सुप्रिया सदानंद सुले: कल भी हमने सरकार से विनती की और आज भी कर रहे हैं । हमारे चार मेंबर्स को निकाल दिया है । हमारी सरकार से विनती है कि उनको माफ करके प्लीज वापस भेजें । हम डिबेट चाहते हैं । हम सरकार के साथ कोआपरेट करना चाहते हैं । सिर्फ हमारे मेंबर्स को वापस भेजिए । हम वेल में नहीं जाएंगे । सबकी तरफ से मैं बोल रही हूं कि हम हाउस चलाना चाहते हैं । …(व्यवधान)

माननीय सभापति: बहुत अच्छी बात है ।

… (व्यवधान)

माननीय सभापति: श्री सुदीप बन्दोपाध्याय जी, आप बोलिए ।

… (व्यवधान)

संसदीय कार्य मंत्री; **कोयला मंत्री तथा खान मंत्री (श्री प्रहलाद जोशी)**: मैडम, कम से कम वे पीछे तो जाएं । उन्हे अपनी-अपनी सीट पर बैठने दीजिए । पहले उनको बैठने दीजिए । ऐसा क्या है? डिस्टर्ब भी करना है और बात भी करनी है । ऐसे कैसे होगा? … (व्यवधान)

माननीय सभापति: आप लोग प्लीज बैठ जाइए ।

… (व्यवधान)

14.10 hrs

At this stage, Shri P. R. Natarajan, Shri K. Navaskani and some other hon. Members went back to their seats.

माननीय सभापति: श्री सुदीप बन्दोपाध्याय जी, आप बोलिए ।

… (व्यवधान)

SHRI SUDIP BANDYOPADHYAY (KOLKATA UTTAR): Madam, I also wish to propose one thing. Four Members of this House have been suspended. If it is the feeling of the House that if their suspension is withdrawn, then the House can run smoothly, we will all be glad. Hon. Joshiji has already announced that the Government is prepared to have a discussion on the issue of price rise. We are also prepared to take part in the debate. So, let this issue be sorted out as soon as possible and let the debate start. … (*Interruptions*)

SHRI A. RAJA (NILGIRIS): Madam Chairperson, I think what happened yesterday is not good for a healthy democracy. I have been in this House, either on this side or on that side, for a long time, but coming to the well, democratically making protests with placards is not unknown to this House. Fortunately or unfortunately, it is up to the Government. I think that they wanted to expel the Members and accordingly, it was done by the Chair. I am telling with folded hands that do not believe in numerical strength alone in this House. You may be elected by numerical strength, but a healthy debate will not stand before the numerical strength. … (*Interruptions*) So, we want democracy. Please reconsider the decision and withdraw the suspension. Thereafter, we will think of participating in the debates. … (*Interruptions*) On behalf of the DMK party and my leader, I request that the suspension of Members may be revoked immediately forthwith. … (*Interruptions*)

माननीय सभापति: ये आप लोगों की ही बात को बोल रहे हैं ।

… (व्यवधान)

माननीय सभापति: सुदीप बन्दोपाध्याय जी ने बोल लिया ।

… (व्यवधान)

श्री प्रहलाद जोशी: सुदीप जी, आपके बोलने के बाद भी ऐसा कर रहे हैं, आपके नेता बोले हैं न । … (व्यवधान) आपके नेता बोले हैं न ।

मैडम, मैं यह बोलना चाहता हूं कि डे वन ऑल पार्टी मीटिंग से लेकर आज सुबह तक मैंने स्पष्ट रूप से कहा है कि सरकार आपकी मांग पर चर्चा करने के लिए तैयार है । आज सुबह भी मैंने आग्रह किया, अगर आज भी चर्चा करना चाहते हैं तो हम तैयार हैं । इतना बोलने के बावजूद भी लास्ट वीक पूरा बर्बाद हो गया, इन लोगों ने बर्बाद कर दिया । अभी भी वही हो रहा है । मैं इतना ही पूछना चाहता हूं

कि अगर वे चाहते हैं तो हम लेने के लिए तैयार हैं । लेकिन ये गारंटी लेंगे कि वे फिर से वेल में नहीं आएंगे, फिर से प्लैकर्ड लेकर नहीं आएंगे । प्लैकर्ड लाकर स्पीकर के मुंह के सामने नहीं लगाएंगे । क्या इसकी गारंटी लेने के लिए ये तैयार हैं?

SHRI SUDIP BANDYOPADHYAY: I will give the guarantee for my party. … (*Interruptions*)

SHRI PRALHAD JOSHI: I would like to make only one request. Rajaji, when you spoke – I have a lot of regard for you – I listened to you. Please listen to me.

I am only going to ask if they are ready to give the guarantee on behalf of their party - even on behalf of the Congress Party also because all the Members who have been suspended are from the Congress Party – and if they are ready to take the responsibility that hereafter, they will not bring the placards.

I would like to recall here, again, that when we were in the Opposition, once I myself had come here. Shri Pranab Mukherjee, who was then the Leader of the House, opposed it. Then, Advaniji called me. I was trying to argue with him. Of course, I was too junior at that time. It was my mistake. Then, Advaniji called me and said that I should not go to that side.

They come to this side. They stand before the Prime Minister. They try to raise the slogans. Not only that, they are trying to show the placard in front of the face of the Speaker. Is it a fair thing? स्पीकर से इजाजत है तो हम विद्रा करने के लिए तैयार हैं, क्या आप गारंटी लेने के लिए तैयार हैं? वे प्लैकर्ड लेकर अंदर नहीं आएंगे और वेल में नहीं आएंगे, यह बोलने के लिए आप तैयार हैं? जब हम बोल रहे हैं कि हम चर्चा कराने के लिए तैयार हैं तो आपको गारंटी लेने के लिए क्या प्रॉबल्म है ।

———